सामाजिक विज्ञान (कोड–087)

कक्षा 10 – सत्र 2019–20

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 4

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देश:–

1. प्रश्न–पत्र में कुल 35 प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक अंकित किए गए हैं।
3. क्रम संख्या 1 से 20 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। उनका उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।
4. क्रम संख्या 21 से 28 तक के प्रश्न 3 अंक के हैं। उनका उत्तर 80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. क्रम संख्या 29 से 34 तक के प्रश्न 5 अंक के हैं। उनका उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. प्रश्न संख्या 35 दो भागों के साथ 6 अंक का मानचित्र प्रश्न है– 35a. इतिहास से (2 अंक) और 35b. भूगोल से (4 अंक)।

खण्ड–क : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. "मुद्रण ने भारतीयों के बीच राष्ट्रवाद की भावनाओं को जागृत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" कथन के समर्थन में एक उदाहरण दीजिए। 1

उत्तर

जब पंजाब के क्रांतिकारियों को काला पानी भेजा गया तो बाल गंगाधर तिलक ने अपने केसरी में उनके प्रति गहन हमदर्दी जताई।

2. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन, कथन (A) और कारण (R) के रूप में चिह्नित हैं। कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें– 1

कथन (A) : प्राकृतिक गैस को एक पर्यावरण अनुकूल ईंधन माना जाता है।

कारण (R) : प्राकृतिक गैस कार्बन डाई ऑक्साइड का कम उत्सर्जन करती है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A और R दोनों गलत है।

उत्तर (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

3. जब हम प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करके एक वस्तु का उत्पादन करते हैं, उसे किस क्षेत्र की क्रिया कहते हैं? 1

उत्तर प्राथमिक क्षेत्र।

4. 1785 ई. में सूत कातने वाली नई मशीन का आविष्कार किसने किया? 1

(a) हारग्रीव्स (b) रिडले

(c) स्टैनली (d) जोहन

उत्तर (a) हारग्रीव्स

5. मैनचेस्टर के लेबल पर महाराज रणजीत सिंह के इस चित्र का प्रयोग किया गया– 1

(a) उत्पाद की गुणवत्ता प्रदर्शित करने हेतु

(b) उत्पाद के प्रति सम्मान पैदा करने हेतु

(c) महाराजा रणजीत सिंह के महिमा मण्डन हेतु

(d) उत्पाद के मूल्य की जानकारी देने हेतु

उत्तर (b) उत्पाद के प्रति सम्मान पैदा करने हेतु

6. भारत के निम्नलिखित पत्तनों के नाम कुल व्यापार के अनुसार घटते क्रम में व्यवस्थित कीजिए– 1

1. कोलकाता
2. चेन्नई
3. मुम्बई
4. कोच्चि

(a) 3–2–1–4 (b) 1–2–3–4

(c) 1–2–4–3 (d) 3–1–4–2

उत्तर (d) 3–1–4–2

7. ..... संसाधन समुदाय के सभी सदस्यों के लिए सुलभ हैं। 1

उत्तर सामुदायिक स्वामित्व वाले

अथवा

जिन संसाधनों को नवीनीकृत किया जा सकता है, उन्हें ..... के रूप में जाना जाता है।

उत्तर नवीकरणीय संसाधन

8. नीचे दिया गया कार्टून निम्न विकल्पों में से किससे सम्बन्धित है– 1

(a) धर्मनिरपेक्ष शासन (b) जातिगत भेदभाव

(c) रंगभेद की समस्या (d) लैंगिक भेदभाव

उत्तर (a) धर्मनिरपेक्ष शासन

9. गन्ने की खेती से सम्बन्धित सही जानकारी के साथ निम्नलिखित तालिका को पूरा कीजिए– 1

गन्ना	आवश्यक वार्षिक वर्षा	मिट्टी	आवश्यक तापमान (डिग्री में)
	(A)–?	जलोढ़ व काली मिट्टी	(B)–?

उत्तर

(A) – 75 से 100 सेंटीमीटर

(B) – 21°C से 27°C

10. भारत की अधिकांश जूट मिलें पश्चिम बंगाल में स्थित होने के कोई दो कारण बताइए। 1

उत्तर

भारत की अधिकांश जूट मिलें पश्चिम बंगाल में स्थापित होने के कारण इस प्रकार हैं–

1. यहाँ जूट उत्पादक क्षेत्रों की निकटता है।
2. सस्ते एवं बड़ी संख्या में श्रमिक मिल जाते हैं।

अथवा

सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क क्या हैं?

उत्तर

ये वे केन्द्र हैं, जो एक ही स्थान से उच्चस्तरीय आंकड़ाँ संचार सेवा प्रदान करते हैं।

11. नीचे दी गई तालिका में भारत में अल्प–पोषित वयस्कों का अनुपात दिखाया गया है। यह वर्ष 2001 में देश के विभिन्न राज्यों के एक सर्वेक्षण पर आधारित है। 1

राज्य	पुरुष (%)	महिला (%)
केरल	22	19
कर्नाटक	36	38
मध्यप्रदेश	43	42
सभी राज्य	37	36

ऊपर दी गई जानकारी का विश्लेषण करते हुए निम्न में से सही निष्कर्ष का चयन कीजिए–

(a) केरल में मध्यप्रदेश की अपेक्षा कम पोषित लोग है।

(b) केरल में मध्यप्रदेश की अपेक्षा अधिक पोषित लोग है।

(c) मध्यप्रदेश में पुरुषों की अपेक्षा महिलाएँ अधिक अल्पपोषित हैं।

(d) मध्यप्रदेश में अल्प–पोषित लोगों का औसत, राष्ट्रीय औसत से कम है।

उत्तर (b) केरल में मध्यप्रदेश की अपेक्षा अधिक पोषित लोग है।

12. हमारे देश में लोकतांत्रिक राजनीति का पहला बड़ा परीक्षण ..... का निर्माण था। 1

उत्तर न्यायपालिका

अथवा

देश को एक साथ रखने के लिये ..... और घटक सरकार के बीच अपनी शक्ति को विभाजित करने का निर्णय लिया जाता है।

उत्तर राष्ट्रीय सरकार

13. सूची- I (सत्ता के बँटवारे के स्वरूप) और सूची- II (शासन के स्वरूप) में मेल करें- 1

	सूची-I		सूची-II
1.	सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता का बँटवारा	क	सामुदायिक सरकार
2.	विभिन्न स्तर की सरकारों के बीच अधिकारों का बँटवारा	ख	अधिकारों का वितरण
3.	विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी	ग	गठबंधन सरकार
4.	दो या अधिक दलों के बीच सत्ता की साझेदारी	घ	संघीय सरकार

उत्तर 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ग

14. लोकतंत्र का प्रमुख मूल परिणाम क्या है? 1

उत्तर

यह एक ऐसी सरकार बनाए जो लोगों के प्रति जिम्मेदार बन सके और लोगों की आवश्यकताओं और उम्मीदों पर ध्यान दे सके।

अथवा

लोकतंत्र में निर्णय लेने में देरी क्यों होती है?

उत्तर

चूँकि लोकतंत्र में निर्णय विचार-विमर्श के बाद तथा सोच-समझकर लिये जाते हैं इसलिए उनमें समय लग जाता है।

15. निम्नलिखित वक्तव्य को सही करें और पुनः लिखें- 1
केन्द्र में सरकार गठन के लिये भाजपा ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन और काँग्रेस ने राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन बनाया।

उत्तर

केन्द्र में सरकार गठन के लिये **काँग्रेस** ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन और **भाजपा** ने राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन बनाया।

16. महात्मा गांधी 1915 में ..... से भारत लौटे। 1

उत्तर दक्षिण अफ्रीका

अथवा

गांधीजी ने दलितों को ..... कहा।

उत्तर हरिजन

17. लोकतंत्र सरकार वैध होती है। इसके सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है? 1

(a) यह सामाजिक विविधताओं को संभालती है।

(b) यह लोगों द्वारा निर्वाचित लोगों को अपनी सरकार देती है।

(c) यह शान्ति और सद्भाव का जीवन जीने में मददगार होती है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b) यह लोगों द्वारा निर्वाचित लोगों को अपनी सरकार देती है।

18. उस प्रणाली का नाम बताएँ जिसमें आवश्यकताओं का दोहरा संयोग एक महत्त्वपूर्ण लक्षण हैं- 1

(a) विनिमय प्रणाली (b) मुद्रा अर्थव्यवस्था

(c) वैश्विक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) विनिमय प्रणाली

19. भारत में नई आर्थिक नीति कब लागू की गई? 1

उत्तर 1991 में।

20. लोकतंत्र को प्रभावशाली उपकरण बनाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प राजनीतिक पार्टियों के लिए चुनौती नहीं है? 1

(a) पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र की कमी

(b) अधिकांश पाटियों में वंशानुगत उत्तराधिकार

(c) धन और बाहुबल का बढ़ता प्रयोग

(d) प्रायः राजनीतिक पार्टियाँ लोगों के समक्ष सार्थक विकल्प प्रस्तुत करती हैं।

उत्तर (d) प्रायः राजनीतिक पार्टियाँ लोगों के समक्ष सार्थक विकल्प प्रस्तुत करती हैं।

खण्ड-ख : लघु उत्तरीय प्रश्न

21. यूरोप के नए सौदागरों को औद्योगिक क्रांति से पहले शहरों में अपने उद्योग लगाने में जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा-उनमें से किन्हीं तीन प्रमुख समस्याओं की व्याख्या कीजिए। 3

उत्तर :

1. शहरों में हस्तशिल्प और व्यापार संघ बहुत शक्तिशाली थे। वे नए सौदागरों को उत्पादन कार्य शुरू नहीं करने देते थे।
2. ये उत्पादकों के संघ थे जो कारीगरों को प्रशिक्षण देते थे। उत्पादन पर नियंत्रण रखते थे। प्रतिस्पर्धा को एक सीमा

तक नियंत्रित करते थे तथा उद्योग या व्यापार में नए लोगों के आने पर रोक लगाते थे।

3. इन उत्पादन संघों ने यूरोप के देशों की सरकारों के उत्पाद विशेष के उत्पादन और व्यापार के मामले में विधिक एकाधिकारिता प्राप्त की थी। इन कारणों से नए सौदागरों के लिये शहरों में उत्पादन इकाइयाँ लगाना लगभग असंभव था।

अथवा

ब्रिटेन में प्रौद्योगीकीय बदलावों की गति धीमी थी। इसके लिए तीन कारण लिखिए।

उत्तर :

1. नयी तकनीक महंगी थी जिस कारण सौदागर व व्यापारी उनके इस्तेमाल के सवाल पर फूँक-फूँक कर कदम बढ़ाते थे। उनमें से कुछ नई तकनीक पर पूँजी निवेश करने से डरते थे, क्योंकि फर्म में काम करने वाले श्रमिक अनपढ़ अथवा कम पढ़े-लिखे थे।
2. मशीनें अक्सर खराब हो जाती थीं और उनकी मरम्मत पर काफी खर्चा आता था। आरंभिक अवस्था में नई मशीनों को प्रयोग करने की जानकारी कम थी, जिसके कारण अधिकांश मशीनें खराब हो जाती थीं।
3. वे उतनी अच्छी भी नहीं थी। फैक्ट्री मशीनों की प्रयोग विधि से अवगत नहीं थी। ऐसी दशा में मशीनों से उत्तम उत्पादन नहीं करवाया जा सकता था।

22. हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा देश के लिए धर्मनिरपेक्ष राज्य की परिकल्पना क्यों की गई? सुस्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

1. देश के संविधान निर्माता मानवतावादी, महान विचारक, कानून विशेषज्ञ और लोकतंत्र पर आस्था रखने वाली विभूतियाँ थीं। वे जानते थे कि सर्वधर्म समभाव रखने वाले राज्य में ही लोकतंत्र पनप सकता है। यदि राज्य किसी धर्म विशेष को मान्यता देता है तो इससे देश की एकता खतरे में पड़ जाएगी।
2. उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह अनुभव कर लिया था कि भारतवासी अपनी संकीर्ण विचारधाराओं के प्रति किस सीमा तक आसक्ति रखते हैं। ब्रिटिश भारत के अलावा 562 रजवाड़े धर्म विभेद के कारण ही उस समय भारत की छिन्न-भिन्न छवि के प्रथमदृष्ट्या प्रमाण थे।
3. धर्म के नाम पर भारत विभाजन कराने वाले मुहम्मद अली जिन्ना जैसे संकीर्ण रूढ़िवादी उनकी दृष्टि के सामने थे और इसके कारण लाखों लोगों की बर्बादी का दृश्य भी तरोताजा था।

अथवा

धर्म और राजनीति के विषय में गाँधी जी के क्या विचार थे?

उत्तर :

गाँधी जी कहा करते थे कि धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता। धर्म से उनका मतलब हिंदू या इस्लाम जैसे धर्म से न होकर नैतिक मूल्यों से था जो सभी धर्मो से जुड़े हैं। उनका मानना था कि राजनीति धर्म द्वारा स्थापित मूल्यों से निर्देशित होनी चाहिए।

23. नीचे दिए गए स्रोतों को पढ़े और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें- $1 + 1 + 1 = 3$

स्रोत क

"सत्याग्रह शारीरिक बल नहीं है। सत्याग्रही अपने शत्रु को कष्ट नहीं पहुँचाता। वह अपने शत्रु का विनाश नहीं चाहता। ..... सत्याग्रह के प्रयोग में दुर्भावना के लिए कोई स्थान नहीं होता। सत्याग्रह तो शुद्ध आत्मबल है। सत्य ही आत्मा का आधार होता है। इसलिए इस बल को सत्याग्रह का नाम दिया गया है आत्मा ज्ञान से हमेशा लैस होती है। इसमें प्यार की लौ जलती है.....। अहिंसा सर्वोच्च धर्म है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत विनाशकारी शस्त्रों के मामले में ब्रिटेन या यूरोप का मुकाबला नहीं कर सकता। अंग्रेज युद्ध के देवता की उपासना करते हैं। वे सब हथियारों से लैस हो सकते हैं, होते जा रहे हैं। भारत में करोड़ों लोग हथियार लेकर नहीं चल सकते। उन्होंने अहिंसा के धर्म को आत्मसात् कर लिया है.....।"

स्रोत ख

6 जनवरी, 1921 को संयुक्त प्रांत में रायबरेली के पास पुलिस ने किसानों पर गोली चलाई। जवाहर लाल नेहरू घटनास्थल का दौरा करना चाहते थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। गुस्से में नेहरू ने अपने आस-पास खड़े किसानों को ही संबोधित किया। बाद में इस सभा के बारे में उन्होंने बताया था।

"उनका आचरण खतरे के सामने होते हुए भी बहादुर, शांत और निश्चिंत लोगों जैसा था। पता नहीं उन्हें क्या महसूस हो रहा था लेकिन मुझे पता है कि मैं क्या महसूस कर रहा था। एक पल के लिए मेरा भी खून खौल उठा था, अहिंसा तो न जाने कहाँ छूट गई थी लेकिन सिर्फ एक पल के लिए जिसे ईश्वर की कृपा से हमें विजय द्वार पर ले जाने के लिए भेजा गया है उस महान नेता के विचार मुझे याद आ गए और मैंने देखा कि मेरे आस-पास बैठे और खड़े किसान मेरे से कम उत्तेजित मेरे से ज्यादा शांत थे। मेरी दुर्बलता का यह क्षण बीत गया। मैंने पूरी विनम्रता के साथ अहिंसा पर उनसे बात की। यह सब उनसे ज्यादा मुझे सीखना था- उन्होंने मेरी बात समझी और शांति से चले गए।"

स्रोत ग

हमारा विश्वास है कि किसी भी समाज की तरह भारतीय जनता का भी यह एक अहरणीय अधिकार है कि उन्हें आजादी मिले। अपनी मेहनत का फल मिले और जीवन की सभी आवश्यकताएँ पूरी हों जिससे उन्हें आगे बढ़ने के परिपूर्ण

अवसर मिलें। हमारा यह भी विश्वास है कि यदि कोई भी सरकार अपनी जनता को इन अधिकारों से वंचित रखती है और दबाती है तो फिर जनता को भी सरकार को बदलने या उसे समूल समाप्त करने का अधिकार है। भारत में ब्रितानी सरकार ने न केवल भारतीय जनता को स्वतंत्रता से वंचित किया है बल्कि उसने जनता का शोषण किया है और देश को आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर नष्ट कर दिया है। इसलिए हमारा विश्वास है कि भारत को अनिवार्य रूप से ब्रिटेन के साथ अपने सभी संबंधो को समाप्त कर पूर्ण स्वराज प्राप्त करना चाहिए।

स्रोत क

23. 1 भारतीय हथियार लेकर क्यों नही चल सकते? 1

उत्तर :

भारतीय हथियार लेकर नहीं चल सकते क्योंकि उन्होंने अहिंसा के धर्म को आत्मसात् कर लिया है और **जियो और जीने दो** के दर्शन को मानते हैं। अहिंसा इसको पाने का मार्ग है।

स्रोत ख

23.2 जब नेहरू ने किसानों को संबोधित किया तब नेहरू की भावनाओं की व्याख्या कीजिए। 1

उत्तर :

नेहरू जी किसानों से शिक्षा ग्रहण करना चाहते थे। वे नेहरू जी के मुकाबले कम उत्तेजित और ज्यादा शांत थे।

स्रोत ग

23.3 ब्रिटिश सरकार ने भारतीय लोगों का शोषण कैसे किया? व्याख्या करें। 1

उत्तर :

ब्रिटिश सरकार भारत में लोगों के शोषण के आधार पर टिकी थी और उसने भारत को आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से बिलकुल नष्ट कर दिया।

24. भारत के लिए लौह खनिजों के महत्त्व को उजागर कीजिए। 3

उत्तर :

लोहे की खोज ने मनुष्य के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। यह निम्न उदाहरणों में देखने को मिलता है–

1. लोहे की खोज से विभिन्न विकास हुए। धातुकर्मी जैसे लोहार ने औजार और उपकरण बनाये जिससे बढ़ईगिरी, बुनना तथा अन्य विभिन्न कलाओं का विकास हुआ।
2. लोहे की खोज से कृषि के क्षेत्र में क्रांति आई जैसे हँसिया, कुदाल तथा हल, फावड़े आदि उपकरण बने। यहाँ तक कि हथियार भी लोहे से बने।
3. लोहे की खोज से जहाज निर्माण का कार्य आसान हो गया जिसके परिणामस्वरूप प्राचीन काल में लोगों ने विदेशी व्यापार के क्षेत्र में आशातीत उन्नति की।

अथवा

आग्नेय तथा कायांतरित चट्टानों में खनिज किस प्रकार पाए जाते हैं?

उत्तर :

आग्नेय तथा कायांतरित चट्टानों में खनिज दरारों, जोड़ों, भ्रंशों व विदरों में मिलते हैं। छोटे जमाव शिराओं के रूप में और वृहत् जमाव परत के रूप में पाए जाते हैं। इनका निर्माण भी अधिकतर उस समय होता है जब ये तरल अथवा गैसीय अवस्था में दरारों के सहारे भू–पृष्ठ की ओर धकेले जाते हैं और ऊपर आते हुए ये ठंडे होकर जम जाते हैं। मुख्य धात्विक खनिज जैसे– जस्ता, तांबा, जिंक और सीसा आदि इसी तरह शिराओं व जमावों के रूप में प्राप्त होते हैं।

25. भारत में निर्वाह कृषि की विशेषताएँ लिखें। 3

उत्तर :

निर्वाह कृषि की विशेषताएँ–

1. इस प्रकार की कृषि स्थानीय लोगों की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए की जाती है।
2. यह किसी विशेष क्षेत्र में अधिक जनसंख्या का पोषण करती है।
3. यह गहन कृषि है।
4. इस कृषि में खाद्यान्न का उत्पादन होता है।
5. इस प्रकार की कृषि में प्रति एकड़ उत्पादन अधिक होता है।
6. खेतों का आकार छोटा होता है।

26. उन्नीसवीं सदी के अंतिम चरण में व्यापार फलने–फूलने में प्रौद्योगिकी की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर :

1 जनसंचार तकनीक के बिना 19वीं सदी में आये परिवर्तनों की कल्पना नहीं की जा सकती थी। इसमें रेलवे, भाप के जहाज, टेलीग्राफ आदि की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

2 औपनिवेशीकरण के कारण यातायात तथा परिवहन साधनों में भारी सुधार आए। जगहों के बीच दूरियाँ कम होने लगी। तेज चलने वाली रेलगाड़ियाँ के भार को कम किया गया तथा जलपोतों का आकार बढ़ा।

3 उदाहरण के लिए 1870 के दशक तक अमेरिका से यूरोप को माँस का निर्यात नहीं किया जाता था, बल्कि जिंदा जानवर भेजे जाते थे जो अधिक जगह घेरते थे। नई तकनीक से स्थिति बदली तथा जहाजों में रेफ्रीजरेशन तकनीक लगा दी गई। अब माँस का निर्यात जल्दी, आसनी से और कम खर्चे में किया जा सकता था।

27. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किन्हें कहते हैं? ये विश्वभर में उत्पादन को परस्पर जोड़ने में किस प्रकार सहायक हैं? 3

उत्तर :

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ–वे उद्यम जिनका उद्योग एक देश में स्थापित नहीं होता, बल्कि अनेक देशों में स्थापित होता है, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ कहलाती हैं, जैसे–पेप्सी, कोका–कोला आदि।

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विश्वभर में उत्पादन को परस्पर जोड़ने में सहायक निम्न प्रकार सहायक हैं–

1. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दूसरे देशों की कुछ स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से अर्थात् साझेदारी से उत्पादन प्रारम्भ करती हैं।
2. ये स्थानीय कंपनियों को खरीदकर अपने उत्पादन का विस्तार करती हैं।
3. ये स्थानीय कंपनियों से निकट प्रतिस्पर्धा करती हैं।

अथवा

1991 से पूर्व भारत द्वारा विकास की कौन–सी व्यूह रचना अपनाई गई थी?

उत्तर :

1991 से पूर्व विकास की निम्न व्यूह रचना अपनाई गई थी–

1. सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका का विस्तार किया गया।
2. भारतीय अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र तथा सार्वजनिक क्षेत्र दोनों का अस्तित्व बनाया गया।
3. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को अनुमति देने के लिए सख्त कानून बनाए गए थे।
4. निजी क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए सरकार लाइसेंस लेना आवश्यक बना दिया था।
5. आयातों पर भारी शुल्क लगाए गए तथा आयात का कोटा निर्धारित किया गया।

28. बैंक में पैसा जमा करवाने के कोई तीन लाभ लिखें। 3

उत्तर :

बैंक में पैसे जमा कराने के निम्नलिखित लाभ हैं–

1. घर या कार्यस्थल की अपेक्षा बैंक में पैसा रखना अधिक सुरक्षित होता हैं।
2. लोगों को जमा राशि पर ब्याज मिलता हैं।
3. जब भी चाहे लोग बैंक से जमा राशि को निकलवा सकते हैं।

खण्ड–ग : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

29. फ्रांसीसी लोगों के बीच सामूहिक पहचान का भाव पैदा करने के लिए फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने क्या कदम उठाए? 5

उत्तर :

1789 ई. में घटित फ्रांसीसी क्रांति के साथ राष्ट्रवाद की प्रथम स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई। प्रारंभ से ही फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाए, जिनसे फ्रांसीसी लोगों में सामूहिक पहचान की भावना बलवती हो सकती थी। ये कदम इस प्रकार थे–

1. पितृभूमि और नागरिक जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर जोर दिया, जिसे एक संविधान के अंतर्गत समान अधिकार प्राप्त थे।
2. एक नया फ्रांसीसी झंडा चुना गया, जिसने पहले के राष्ट्रध्वज की जगह ले ली।
3. इस्टेट जनरल का चुनाव सक्रिय नागरिकों के समूह द्वारा किया जाने लगा और उसका नाम बदलकर नेशनल एसेंबली कर दिया गया।
4. नई स्तुतियाँ रची गईं, शपथें ली गईं, शहीदों का गुणगान हुआ और यह सब राष्ट्र के नाम पर हुआ।
5. एक केन्द्रीय प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई, जिसने अपने भू–भाग में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाए।
6. आंतरिक आयात–निर्यात शुल्क समाप्त कर दिए गए।
7. तौलने और नापने के लिए एक तरह की व्यवस्था लागू की गई।
8. क्षेत्रीय बोलियों के स्थान पर पेरिस की फ्रेंच भाषा ही राष्ट्र–भाषा के रूप में स्थापित हुई।

अथवा

अपने शासन वाले क्षेत्रों में शासन व्यवस्था को ज्यादा कुशल बनाने के लिए नेपोलियन ने क्या बदलाव किए?

उत्तर :

प्रथम कौंसिल के रूप में नेपोलियन ने फ्रांस में अनेक सुधार किए। फ्रांस की क्रान्ति के उपरांत पुरानी सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक व्यवस्था समाप्त हो गयी थी। अतः नेपोलियन ने अपने शासन वाले क्षेत्रों में सुधार के उद्देश्य से निम्नलिखित परिवर्तन किए–

1. सामाजिक समानता को स्थापित करने के लिए उच्च व निम्न वर्ग के बीच अंतर को समाप्त कर दिया गया।
2. प्राचीन सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया।
3. शहरों में कारीगरों के श्रेणी संघों के नियंत्रणों को हटा दिया गया। यातायात और संचार व्यवस्थाओं को सुधारा गया।
4. आर्थिक सुधार करने के उद्देश्य से **बैंक ऑफ फ्रांस** की स्थापना की गई।
5. उसने दंड विधान को कठोर बनाया तथा जूरी प्रथा व मुद्रित पत्रों को पुनः प्रारंभ किया।
6. शिक्षा की उन्नति के लिए **यूनिवर्सिटी ऑफ फ्रांस** की स्थापना की, जहाँ लैटिन, फ्रेंच भाषा, साधारण विज्ञान व गणित की मुख्य तौर पर शिक्षा दी जाती थी।
7. कैथोलिक धर्म को राजधर्म बनाया।
8. 1804 ई. की नेपोलियन संहिता ने जन्म पर आधारित विशेषाधिकार समाप्त कर दिए थे। उसने कानून के समक्ष समानता और संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित बनाया।
9. समान कर प्रणाली लागू की गई।
10. सामंती व्यवस्था को खत्म किया और किसानों को भू–दासत्व और जागीरदारी शुल्कों से मुक्ति दिलाई। इस प्रकार नेपोलियन के सुधारों से किसानों, कारीगरों, मजदूरों और नए उद्योगपतियों ने स्वतंत्रता–प्राप्ति का उत्सव मनाया।

30. निम्नलिखित उद्धरण को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों का जवाब दें– $1 + 2 + 2 = 5$

मृदा के कटाव और उसके बहाव की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहा जाता है। मृदा के बनने और अपरदन की क्रियाएँ आमतौर पर साथ–साथ चलती है और दोनों में संतुलन होता है। परंतु मानवीय क्रियाओं जैसे वनोन्मूलन, अति पशुचारण, निर्माण और खनन इत्यादि से कई बार यह संतुलन भंग हो जाता है तथा प्राकृतिक तत्त्व जैसे पवन, हिमनदी और जल मृदा अपरदन करते हैं। बहता जल मृत्तिकायुक्त मृदाओं को काटते हुए गहरी वाहिकाएँ बनाता है, जिन्हें अवनलिकाएँ कहते हैं। ऐसी भूमि जोतने योग्य नहीं रहती और इसे उत्खात भूमि (bad land) कहते हैं। चंबल बेसिन में ऐसी भूमि को खड्ड (ravine) भूमि कहा जाता है। कई बार जल विस्तृत क्षेत्र को ढके हुए ढाल के साथ नीचे की ओर बहता है। ऐसी स्थिति में इस क्षेत्र की ऊपरी मृदा घुलकर जल के साथ बह जाती है। इसे चादर अपरदन (Sheet erosion) कहा जाता है। पवन द्वारा मैदान अथवा ढालू क्षेत्र से मृदा को उड़ा ले जाने की प्रक्रिया को पवन अपरदन कहा जाता है। कृषि के गलत तीरकों से भी मृदा अपरदन होता है। गलत ढंग से हल चलाने जैसे ढाल पर ऊपर से नीचे की ओर हल चलाने से वाहिकाएँ बन जाती हैं, जिसके अंदर से बहता पानी आसानी से मृदा का कटाव करता है।

ढाल वाली भूमि पर समोच्च रेखाओं के समानांतर हल चलाने से ढाल के साथ जल बहाव की गति घटती है। इसे समोच्च जुताई (contour ploughing) कहा जाता है। ढाल वाली भूमि पर सोपान बनाए जा सकते हैं। सोपान कृषि अपरदन को नियंत्रित करती है। पश्चिमी और मध्य हिमालय में सोपान अथवा सीढ़ीदार कृषि काफी विकसित है। बड़े खेतों को पट्टियाँ में बाँटा जाता है। फसलों के बीच में घास की पट्टियाँ उगाई जाती हैं। ये पवनों द्वारा जनित बल को कमजोर करती हैं। इस तरीके को पट्टी कृषि (strip farming) कहते हैं। पेड़ों को कतारों में लगाकर रक्षक (shelter belt) मेखला बनाना भी पवनों की गति कम करता है। इन रक्षक पट्टियों का पश्चिम भारत में रेत के टीलों के स्थायीकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है।

30.1 मृदा अपरदन के लिये उत्तरदायी किन्हीं दो मानवीय क्रियाओं के नाम लिखिए।

30.2 मृदा संरक्षण के विभिन्न तरीके क्या हैं?

30.3 मृदा अपरदन क्या है? मृदा किस प्रकार अपरदित होती है? समझायें।

उत्तर :

30.1

1. वनोन्मूलन
2. अति पशुचारण।

30.2

मृदा संरक्षण के उपाय–

(a) **समोच्च जुताई–** ढाल वाली भूमि पर समोच्च रेखाओं के समानांतर हल चलाने से ढाल के साथ पानी के बहाव की गति घटती है। इसे समोच्च जुताई (Contour ploughing) कहा जाता है।

(b) **सीढ़ीदार खेती–** ढाल वाली भूमि पर सोपान बनाए जा सकते हैं। सोपान कृषि अपरदन को नियंत्रित करते हैं। पश्चिमी तथा मध्य हिमालय में सोपान अथवा सीढ़ीदार कृषि काफी विकसित है।

(c) **पट्टी कृषि–** बड़े खेतों को पट्टियों में वर्गीकृत किया जाता है। फसलों के बीच में घास की पट्टियों को उगाया जाता है। ये पवनों द्वारा जनित बल को कमजोर करती हैं। इस तरीके को पट्टी कृषि (strip farming) कहा जाता है।

(d) **पेड़ों के रूप में रक्षक मेखला–** पेड़ों को कतारों में लगाकर रक्षक मेखला (Shelter belt) बनाकर भी पवनों की गति को कम किया जाता है। पश्चिम भारत में इन रक्षक पट्टियों को रेत के टीलों के स्थायीकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है।

30.3

मृदा अपरदन– मृदा के ऊपरी आवरण या परत का अपने स्थानों से दूसरे स्थान को प्राकृतिक साधनों जैसे पवन, जल हिम या मानव क्रिया द्वारा हटना मृदा अपरदन कहलाता है।

मृदा अपरदन के कारण–

(a) बहता जल मृदा को काटता है और गहरी नालियाँ बनाता है। यह मृदा कृषि के लिये अनुपयुक्त हो जाती है।

(b) निर्वनीकरण भी मृदा अपरदन का कारण है। निर्वनीकरण बाढ़ की बारंबारता को बढ़ावा देता है जिससे मृदा अपरदन होता है।

(c) शुष्क और रेतीले क्षेत्रों में पवन मृदा अपरदन का मुख्य कारण है। खुली ढीली मिट्टी को पवन आसानी से उड़ा ले जाती है और दूसरे स्थान पर जमा कर देती है।

(d) वृक्षों की अनियंत्रित कटाई और अति चराई से वनस्पति नष्ट हो जाती है जिससे मृदा की सुरक्षा नहीं हो पाती।

31. बेल्जियम में **सत्ता की साझेदारी** व्यवस्था की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

1. **अवसर की समानता–** संवैधानिक प्रावधानों के तहत केन्द्र सरकार में फ्रेंच भाषी तथा डच भाषी लोगों के लिए समान प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गई है। कोई एक समुदाय निर्णय अकेले नहीं ले सकता है।
2. **शक्ति का विकेन्द्रीकरण–** केन्द्र सरकार की कुछ शक्तियाँ देश के इन दो संघर्षशील प्रदेशों की राज्य सरकारों को दी गई हैं।
3. **स्वायत राज्य सरकार–** राज्य सरकारें केन्द्र सरकार के अधीन नहीं हैं।

4. **सामुदायिक सरकार–** केन्द्रीय और राज्य सरकारों के अतिरिक्त किसी एक भाषा के लोगों द्वारा चुनी गई सामुदायिक सरकार की भी व्यवस्था की गई है। इस सरकार को सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं भाषा संबंधी अधिकार दिए गए हैं।
5. **समान राजनीतिक प्रतिनिधित्व–** ब्रुसेल्स में फ्रेंच भाषी लोगों को समान अवसर दिए गए हैं, जबकि डच भाषी समुदाय को केन्द्रीय सरकार में समान अवसर दिया गया है।

32. साथ रहकर संघीय व्यवस्था अपनी संघटक इकाइयों को समान अधिकार नहीं देती। भारत के संदर्भ में इस कथन की उदाहरणों की मदद से व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

यह कथन सही है कि साथ रहकर संघीय व्यवस्था अपनी संघटक इकाइयों को समान अधिकार नहीं देती। प्रायः संघीय व्यवस्थाओं में राज्यों की तुलना में केन्द्र सरकार अधिक शक्तिशाली होती है। अक्सर इस व्यवस्था में विभिन्न राज्यों को समान अधिकार दिए जाते हैं पर विशेष स्थिति में किसी–किसी प्रान्त को विशेष अधिकार भी दिए जाते हैं जैसा कि भारत में केन्द्र और राज्यों के मध्य शक्तियों के विभाजन से प्रमाणित होता है। भारत में शक्तियों का विभाजन निम्न प्रकार से है–

1. **दो स्तरीय शासन व्यवस्था–** भारत में दो स्तरीय शासन व्यवस्था, केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार, की स्थापना की गई। संविधान के अनुसार केंद्रीय सरकार सारे देश का प्रतिनिधित्व करती है। 1992 में तीसरे स्तर अर्थात् पंचायती राज की स्थापना की गई।
2. **शक्तियों का विभाजन–** केंद्र और राज्यों में विधायी अधिकारों का विभाजन तीन सूचियों के द्वारा किया गया है। ये सूचियाँ हैं– संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। अवशिष्ट विषय, जो किसी भी सूची में शामिल नहीं हैं, केंद्रीय सरकार को प्रदान किए गए हैं।
3. **कुछ राज्यों को विशेष दर्जा प्राप्त होना–** बड़ी संघीय इकाइयों में सभी राज्यों या इकाइयों को समान दर्जा नहीं मिलता है। भारत में कुछ राज्यों को विशेष दर्जा दिया गया है। कई इकाइयों जैसे– केंद्र शासित प्रदेश–दिल्ली को कम अधिकार प्राप्त हैं।
4. **संविधान में संशोधन या केन्द्र व राज्यों में सत्ता के बँटवारे में परिवर्तन करना कठिन–** संविधान के बुनियादी ढाँचे में परिवर्तन या संशोधन के लिए संसद के दो–तिहाई बहुमत की स्वीकृति के साथ आधे राज्यों की विधानसभाओं की स्वीकृति भी आवश्यक है। संसद अकेले इसमें परिवर्तन नहीं कर सकती।
5. **स्वतंत्र न्यायपालिका की भूमिका–** सर्वोच्च न्यायालय के रूप में न्यायपालिका संविधान के प्रावधानों और कानूनों को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। न्यायपालिका संविधान की रक्षक है और केंद्र व राज्यों में विवादों का निर्णय करती है। संविधान के विरूद्ध कानूनों को अवैध घोषित करती है।
6. पंचायतें ग्राम सभा की देखरेख में काम करती हैं। गाँव के सभी मतदाता ग्राम सभा के सदस्य होते हैं। ग्राम सभा, ग्राम पंचायत का बजट पास करती हैं और ग्राम पंचायत के कार्य की समीक्षा करती है। साल में कम–से–कम दो या तीन बार इसकी बैठक होती है।

33. जीविका के लिए काम करने वाले अपने आस–पास के वयस्कों के सभी कार्यों को आप किस तरीके से वर्गीकृत कर सकते हैं? अपने चयन की व्याख्या कीजिए। 5

उत्तर :

जीविका के लिए काम करने वाले आस–पास के वयस्कों के सभी कार्यों को हम निम्नलिखित आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं–

1. **कार्य की प्रकृति के आधार पर वर्गीकरण–**

(a) **प्राथमिक क्षेत्र–**वे सभी आर्थिक क्रियाएँ जो प्राकृतिक संसाधनों के प्रयोग द्वारा की जाती हैं उन्हें प्राथमिक क्षेत्र में रखा जाता है, जैसे–कृषि कार्य, खनन कार्य, मत्स्य पालन आदि।

(b) **द्वितीयक क्षेत्र–**इस क्षेत्र में प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त विभिन्न उत्पादों का प्रयोग करके विभिन्न उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया जाता है, जैसे–कपास से कपड़ा बनाना, गन्ने से चीनी बनाना आदि।

(c) **तृतीयक क्षेत्र–**इस क्षेत्र में किसी वस्तु का निर्माण नहीं किया जाता बल्कि सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। ये सेवाएँ प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्र के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अंतर्गत बैंकिंग, बीमा, रेलवे संचार एवं परिवहन आदि को शामिल किया जाता है।

2. **रोजगार की दशाओं के आधार पर वर्गीकरण–** रोजगार की दशाएँ किस प्रकार की हैं इस आधार पर हम इसे दो भागों में बाँट सकते हैं–

(a) **संगठित क्षेत्र–**इसमें वे गतिविधियाँ आती हैं जिनमें रोजगार की अवधि नियमित होती है तथा इन्हें सरकारी नियमों को मानना पड़ता है।

(b) **असंगठित क्षेत्र–**ये क्षेत्र सरकारी नियंत्रण से बाहर होता है। इसमें रोजगार की अवधि तथा नियम, उपनियम आदि निश्चित नहीं होते।

3. **उद्योगों के स्वामित्व के आधार पर वर्गीकरण–** विभिन्न औद्योगिक इकाइयाँ किसके स्वामित्व में हैं इस आधार पर इनका वर्गीकरण सार्वजनिक तथा निजी उद्योगों में किया जा सकता है।

उपर्युक्त आधारों पर हम अपने आस–पास के लोगों को इस प्रकार से सूचीबद्ध कर सकते हैं–

1.	किसान	प्राथमिक क्षेत्र
2.	सरकारी स्कूल के अध्यापक	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
3.	वकील	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
4.	दर्जी	तृतीयक, असंगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
5.	धोबी	तृतीयक, असंगठित, निजी क्षेत्र
6.	डाकिया	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
7.	श्रमिक	तृतीयक, संगठित, निजी क्षेत्र
8.	लिपिक	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र

अथवा

प्रच्छन्न बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं? शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए।

उत्तर :

प्रच्छन्न बेरोजगारी–विकासशील देशों या अल्पविकसित देशों में अधिकतर लोग कृषि कार्यों में लगे होते हैं जिसके कारण इन देशों में छिपी हुई या प्रच्छन्न बेरोजगारी पाई जाती है। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब किसी विशेष क्षेत्र या कार्य में जनसंख्या का भार जरूरत से अधिक बढ़ने लगता है। यदि किसी क्षेत्र में काम में लगे मजदूरों में से कुछ श्रमिक हटा भी दिए जाएँ तो वस्तु के उत्पादन पर कोई फर्क नहीं पड़ता। इस प्रकार होने वाली बेरोजगारी प्रच्छन्न बेरोजगारी कहलाती है।

1. **शहरी क्षेत्रों से उदाहरण–** एक किराने की दुकान है। उस दुकान पर परिवार के 4 सदस्य काम करते हैं। यदि वहाँ पर परिवार के दो सदस्य काम करें और दो अन्य सदस्य किसी कारखाने या कार्यालय में नौकरी करने लगें तो इससे दुकान की बिक्री पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा और दो सदस्यों के वेतन के रूप में परिवार को भी अधिक आय हासिल होगी।
2. **ग्रामीण क्षेत्रों से उदाहरण–** लक्ष्मी के पास एक दो एकड़ का खेत है। इस खेत पर परिवार के पाँच सदस्य काम करते हैं। सिंचाई की सुविधा न होने के कारण वे खेत में ज्वार एवं अरहर की फसलें बीजते हैं। एक भू–स्वामी सुखराम अपनी जमीन पर काम करने के लिए लक्ष्मी के परिवार के दो सदस्यों को भाड़े पर ले जाता है। इससे लक्ष्मी के खेतों के उत्पादन पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ता और परिवार को मजदूरी के द्वारा कुछ अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है।

34. पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरणों की सूची बनाइए जो आपने अपने आसपास देखें हो। 5

उत्तर :

पर्यावरण में गिरावट के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं–

1. भूमिगत जल का स्तर बहुत अधिक गिर गया है और कुएँ, तालाब तथा पोखरें सूख गए हैं।
2. ट्यूबवेलों की गहराई 300 फुट से भी अधिक हो गई है।
3. नदियों में तेजाबयुक्त पानी बहने के कारण जलीय जीव और मछलियाँ मर रही हैं।
4. हवा में धूल और कार्बन के अंश बहुत अधिक बढ़ गए हैं जिससे धोकर सूखने के लिए डाले गए कपड़े कालिख के कारण काले पड़ जाते हैं।
5. पेड़–पौधों के नष्ट हो जाने के कारण गर्मी की तपन से जलना पड़ता है।
6. हरी–भरी भूमि बंजर होती जा रही है।

मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न

35. (a) भारत में दिए गए रूपरेखा मानचित्र में दो स्थानों को A और B से दिखाया गया है। इन स्थानों को निम्नलिखित जानकारी की मदद से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए–

(A) वह स्थान, जहाँ जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था।

(B) वह स्थान, जहाँ नील उगाने वाले किसानों का आंदोलन हुआ था।

(b) भारत के उसी रूप रेखा मानचित्र में निम्नलिखित तेल क्षेत्रों में से किन्हीं चार को पहचानें तथा उनके नाम लिखें–

(i) मुंबई हाई
(ii) अंकलेश्वर
(iii) कलोल
(iv) नहरकटिया
(v) बसीन
(vi) डिगबोई

उत्तर :

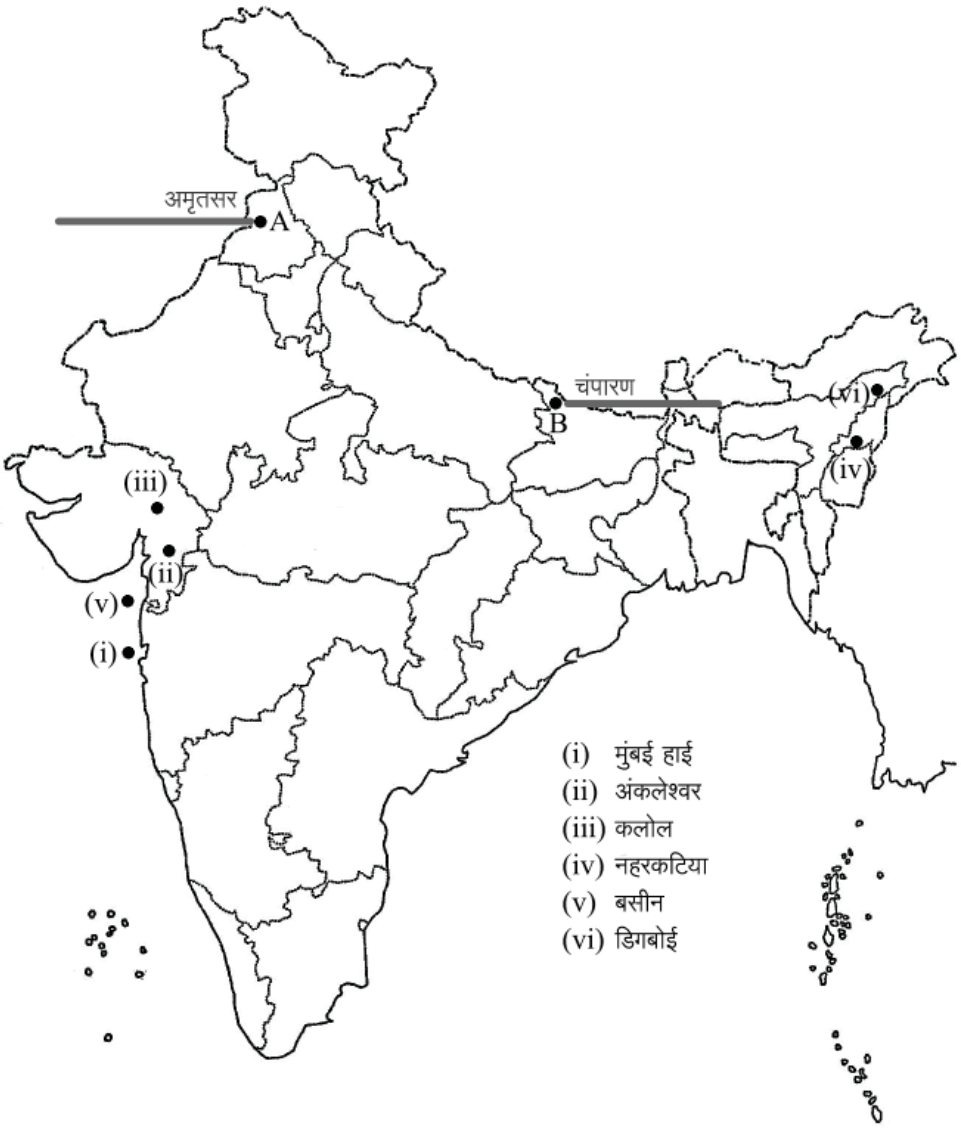

WWW.CBSE.ONLINE

Download Unsolved version of this paper from
www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.